खबर संक्षेप

डिजीटलाइजेशन के कार्यों का उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने किया निरीक्षण

शहडोल। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. केदार सिंह के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान 2026 चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत शहडोल जिले में बीएलओ, बीएलओ सुपरवाईजर एवं एसआईआर कार्य में संलग्न कर्मचारियो द्वारा मतदाताओ से प्राप्त गणना पत्रक के डाटा को बीएलओ ऐप में डिजिटलाइजेशन का कार्य निरंतर जारी है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती अमृता गर्ग ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत जनपद पंचायत सोहागपुर के मतदान केंद्र खोल्हाड़, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मुद्रिका सिंह ने मतदान केंद्र जमुई सहित अन्य मतदान केंद्रो में किये जा रहे डिजीटलाइजेशन के कार्यो का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती अमृता गर्ग ने कहा कि मतदाताओं से प्राप्त गणना पत्रक को शत प्रतिशत बी.एल.ओ. ऐप में अपलोड करते हुए डिजीटलाइजेशन का कार्य कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने निरीक्षण के दौरान अपने समक्ष बीएलओ ऐप में गणना पत्रक में प्राप्त डाटा को दर्ज भी कराया एवं मतदाताओं की संख्या, गणना पत्रक वितरण की स्थिति सहित अन्य जानकारियां भी संबंधित बीएलओ से प्राप्त की।

सर्वे विभाग के कर्मचारियों को ऑफिस से बाहर फेंककर उत्पादन ठप, मामला पहुंचा थाना

एसईसीएल बंगवार खदान में मैनेजर का अपमानजनक रवैया

शहडोल। जिले के सोहागपुर क्षेत्र की बंगवार अंडरग्राउंड कोयला खदान गुरुवार को एक गंभीर विवाद की चपेट में आ गई, जब कथित रूप से खदान के मैनेजर संजय सिंह ने सर्वे विभाग के कर्मचारियों के साथ अभद्र और अपमानजनक व्यवहार किया। कर्मचारियों का आरोप है कि मैनेजर ने उन्हें हाथ पकडक़र खदान के सर्वेक्षण कार्यालय से बाहर निकाल दिया और कार्यालय के मुख्य द्वार पर ताला जडक़र कोयला उत्पादन और खदान के दैनिक कार्यों को ठप्प कर दिया। इस घटना से खदान में हडक़ंप मच गया और कर्मचारियों में भारी रोष फैल गया।

घटना का क्रम और कर्मचारियों का रोष

घटना की जानकारी के अनुसार, गुरुवार को सर्वेक्षण विभाग के कर्मचारी लखन सिंह चंदेल चेइन मैन, पियूष सिंह सर्वे मजदूर, दीप नारायण शर्मा सीनियर हेड चेयरमैन, अजीत तिवारी हेड चेयरमैन, पुष्पेंद्र सोनी जर्नल मजदूर और अजय सिंह सर्वे मजदूर अपने निर्धारित कार्यों के लिए कार्यालय में मौजूद थे। अचानक मैनेजर संजय सिंह कार्यालय में पहुंचे और कथित तौर पर गाली-गलौज करते हुए कर्मचारियों को हाथ पकडक़र जोर-जबरदस्ती बाहर निकाल दिया। कर्मचारियों ने बताया कि मैनेजर ने कार्यालय के दरवाजे पर ताला जड़ दिया, जिससे न सिर्फ कार्यालय में प्रवेश बंद हो गया, बल्कि खदान में होने वाले सर्वेक्षण, माप-जोख और अन्य महत्वपूर्ण तैयारियों का काम ठप्प हो गया। इससे सीधे तौर पर कोयला उत्पादन प्रभावित हुआ और खदान की दैनिक कार्यप्रणाली पर संकट उत्पन्न हो गया।

कर्मचारियों की शिकायत और थाना मामला दर्ज

घटना से आहत सर्वे कर्मचारियों ने तुरंत धनपुरी थाना पहुंचकर सामूहिक शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में उन्होंने बताया कि मैनेजर का रवैया पिछले कई दिनों से लगातार खराब होता जा रहा है और विभागीय कर्मचारियों के साथ बार-बार दुर्व्यवहार किया जा रहा है। गुरुवार की घटना चरम सीमा थी, जिसने कर्मचारियों की सहनशीलता को पार कर दिया। धनपुरी पुलिस ने शिकायत दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है और दोषियों को कानून के अनुसार सख्त दंडित किया जाएगा।

कर्मचारियों की मांग और प्रबंधन पर सवाल

सर्वे विभाग के कर्मचारियों ने एसईसीएल प्रबंधन से मांग की है कि ऐसे अधिकारियों पर कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए, ताकि खदानों में कार्यस्थल का सम्मान और सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। उनका कहना है कि कर्मचारियों के साथ यह व्यवहार न केवल मानसिक तनाव पैदा करता है, बल्कि खदान की उत्पादन प्रक्रिया और कार्य प्रणाली पर भी गंभीर असर डालता है। इस मामले ने एसईसीएल प्रबंधन की कार्यशैली और खदानों में अनुशासन व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय विशेषज्ञों का कहना है कि यदि ऐसे मामलों पर समय रहते कार्रवाई नहीं होती है, तो खदान के कर्मचारियों में असंतोष बढ़ेगा और उत्पादन पर भी स्थायी असर पड़ सकता है।

स्थानीय स्तर पर हडक़ंप

घटना की खबर फैलते ही खदान परिसर में हडक़ंप मच गया। कर्मचारी और स्थानीय लोग घटनास्थल पर जमा हो गए और इस घटना को लेकर खदान प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की। इस बीच कर्मचारियों का कहना है कि खदानों में कार्यस्थल का सम्मान बनाए रखना न केवल उनकी सुरक्षा के लिए आवश्यक है, बल्कि उत्पादन की गुणवत्ता और समयबद्धता के लिए भी अनिवार्य है। विशेषज्ञों का कहना है कि खदानों में मैनेजर जैसे अधिकारियों का अनुचित और अपमानजनक व्यवहार लंबे समय तक सहन नहीं किया जा सकता। ऐसे मामलों में कर्मचारियों की सुरक्षा, उनकी गरिमा और कार्यस्थल की प्रणाली को बनाए रखना प्रबंधन की जिम्मेदारी है। अब देखना यह होगा कि एसईसीएल प्रबंधन इस मामले में कितनी तेजी और गंभीरता से कार्रवाई करता है। इस घटना ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि खदानों में कर्मचारियों के साथ उचित व्यवहार और कार्यस्थल की सुरक्षा अनिवार्य है और किसी भी तरह के अपमानजनक व्यवहार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

इनका कहना है....

बंगवार माइंस के अधिकारी-कर्मचारी ने सब एरिया मैनेजर के विरूद्ध अभद्र व्यवहार कर ऑफिस से बाहर निकलकर ऑफिस में ताला लगाने की शिकायत की है, मामले की जांच की जा रही है।

खेम सिंह पेंद्रो
थाना प्रभारी, धनपुरी

झाड़फूंक के बहाने लाखों के गहने लेकर फरार

उमरिया। कोतवाली क्षेत्र के तामन्नारा गांव में अंधविश्वास का फायदा उठाकर ठगी करने का गंभीर मामला सामने आया है। झाडफ़ूंक का दावा करने वाले एक व्यक्ति ने परिवार को विश्वास में लेकर लाखों रुपये मूल्य के चांदी के आभूषण हड़प लिए और मौके से फरार हो गया। पीड़ित परिवार ने उमरिया कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई है, जिसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

तामन्नारा गांव में अंधविश्वास का फायदा उठा कर ठगी

जानकारी के अनुसार खितौली निवासी राम सिंह इन दिनों अपनी पत्नी केशिया सिंह के साथ तामन्नारा स्थित अपने ससुराल आए हुए थे। वे धान की कटाई में मदद करने के लिए यहां रुके थे। इसी दौरान परिवार की बुजुर्ग सदस्य, जो लंबे समय से गलसुआ बीमारी से पीड़ित थीं, उनकी तबीयत बिगडऩे लगी। इलाज को लेकर परिजन चिंतित थे कि तभी गांव में रहने वाला एक व्यक्ति खुद को झाडफ़ूंक करने वाला बताकर सामने आया। उसने बीमारी ठीक करने का दावा करते हुए परिवार को विश्वास में लिया।
आरोपी ने झाडफ़ूंक तथा पूजा-पाठ की प्रक्रिया के नाम पर परिवार से चांदी के जेवर मांगे। उसने कहा कि गहनों को अभिमंत्रित करने से बीमारी जल्द ठीक हो जाएगी। राम सिंह के अनुसार आरोपी ने लगभग 10 तोला की पायल और तीन पांव का डोरा अपने पास रखने की बात कही। इलाज की उम्मीद में परिवार ने उसे आभूषण सौंप दिए, लेकिन थोड़ी देर बाद वह व्यक्ति मौके से गायब हो गया। काफी देर इंतजार करने के बाद भी जब आरोपी लौटकर नहीं आया, तब परिवार को ठगी का अहसास हुआ। घबराए परिजन तत्काल कोतवाली पहुंचे और पूरे मामले की जानकारी पुलिस को दी। राम सिंह का कहना है कि बीमारी ठीक करने का लालच देकर उनकी भावनाओं से खिलवाड़ किया गया है और अंधविश्वास का सहारा लेकर उनकी मेहनत की कमाई लूटी गई है। उन्होंने पुलिस से आरोपित पर कठोर कार्रवाई की मांग की है।
मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने जांच में तेजी लाई है। पुलिस स्थानीय लोगों से पूछताछ कर उसकी पहचान और लोकेशन का पता लगाने का प्रयास कर रही है। आस-पास के गांवों में भी उसकी तलाश जारी है। अधिकारियों ने कहा कि ऐसे मामले अंधविश्वास के खतरों को उजागर करते हैं। ठग इसी कमजोरी का फायदा उठाकर भोले-भाले लोगों को निशाना बनाते हैं। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि किसी भी तरह के झाडफ़ूंक, तंत्र-मंत्र या अभिमंत्रण के नाम पर किसी अनजान व्यक्ति पर भरोसा न करें और ऐसी संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

शहडोल में मुरूम की गुप्त खदान

आंख खोलकर सो रहा प्रशासन और खनिज विभाग

शहडोल। 15 नवम्बर को कन्या शिक्षा परिसर, कंचनपुर में जिला स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस बड़े धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया। आयोजन में आयुक्त श्रीमती सुरभि गुप्ता, कलेक्टर डॉ. केदार सिंह, पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव और जिला पंचायत के सीईओ शिवम प्रजापति सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे, लेकिन कार्यक्रम के चकाचौंध में एक गंभीर मामला आंखों के सामने ही दिखाई दे रहा था, जिसे देखने के लिए किसी को दूर जाने की जरूरत नहीं थी। कैंपस के बगल में खसरा नंबर 1372 में चल रही मुरूम पटाई की गतिविधि प्रशासन और खनिज विभाग की नींद उड़ा देनी चाहिए थी, 6 से 7 फिट ऊंची मुरूम की इस पटाई का रहस्य यह है कि जिले में किसी भी प्रकार की मुरूम खदान स्वीकृत नहीं है। यानी यह साफ है कि शासन की अनुमति के बिना ही यह मुरूम 'जादू से' जमीन पर पहुँच गई।खनिज विभाग इस मामले में पूरी तरह निर्दोष हैं, क्योंकि उनका तर्क है कि वह सिर्फ उत्खनन और परिवहन करते वाहनों को पकड़ सकते हैं, डंप या उपयोग किए गए अवैध खनिज की जिम्मेदारी किसकी है, यह जिला प्रशासन को देखना चाहिए। यानी कानून का पालन केवल वाहन पकडऩे तक सीमित है, भले ही पूरी पहाड़ी या नदी लूट ली जाये। हालांकि चर्चा यह भी है कि विभाग के अंदर ऐसे गुप्तचर मौजूद हैं, जो किसी भी अवैध उत्खनन की सूचना विभाग तक पहुंचने के तुरंत बाद जांच से पहले ही अवैध व्यवसायियों को चेतावनी दे देते हैं। इसका मतलब साफ है कि खनिज विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचते, लेकिन अवैध उत्खननकर्ता पहले ही गायब। जिले में सरकारी उपक्रमों में बगैर खदान ऑन रिकॉर्ड मुरूम की सप्लाई पहले से ही हो रही है, कंचनपुर क्षेत्र में आदिवासी विकास विभाग की सडक़ निर्माण परियोजना में भी यही मुरूम किसी जादू की तरह इस्तेमाल हो रही है। खनिज विभाग से कोई वाहन पकड़ा नहीं जाता, इसलिए उन्हें लगता है कि सब कुछ नियमों के अनुसार हो रहा है। सवाल यह है कि जब पूरा प्रशासन और खनिज विभाग ऐसे मामलों पर आंखें मूंद लेते हैं, तो जनता के भरोसे और कानून की हिफाजत की क्या स्थिति रहती है? जिला प्रशासन कार्यक्रमों के ढेर सारे आयोजन कर सकता है, लेकिन खसरा नंबर 1372 जैसी जमीनी हकीकत को नजर अंदाज करना अपने आप में बड़ी विडंबना है। मुरूम की यह गुप्त खदान प्रशासन और खनिज विभाग के लिए एक व्यंग्य बनकर रह गई है, जहां कानून केवल शब्दों में लागू है।

कुएं में मिली लापता महिला की लाश

शहडोल। जिले के गोहपारू थाना क्षेत्र के देवदहा गांव में दो दिन पुराने महिला के शव मिलने से रविवार को क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतका की पहचान 28 वर्षीय बेबी साहू पति चेतन साहू, निवासी करूआ के रूप में हुई है। वह पिछले चार दिनों से लापता थी। परिजनों के अनुसार बेबी साहू 16 नवंबर की दोपहर घर से निकली थी, लेकिन शाम तक वापस नहीं लौटी। काफी तलाश के बाद भी कोई जानकारी न मिलने पर परिजनों ने गोहपारू थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस व परिजन लगातार उसकी खोज में जुटे थे, इसी बीच रविवार सुबह देवदहा गांव में स्थित एक कुएं में ग्रामीणों को महिला का शव उतराता हुआ दिखाई दिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकलवाया। प्रारंभिक तौर पर शव दो दिन पुराना प्रतीत हो रहा है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। महिला के कुएं में मिलने की घटना से गांव में तरह-तरह की चर्चाएं तेज हैं। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मौत के कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा। मामले में हर बिंदु को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है।

इनका कहना है...

शव लगभग दो दिन पुराना है, महिला के लापता होने की सूचना पर पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। फिलहाल मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

राजकुमार मिश्रा
थाना प्रभारी, गोहपारू

जैतपुर छात्रावास पहुंचे कलेक्टर, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

विद्यार्थियों को दी परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन की सीख

शहडोल। जिले के जैतपुर स्थित एकलव्य आवासीय विद्यालय के छात्रावास में शनिवार को कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने छात्रावास में उपलब्ध सुविधाओं, भोजन व्यवस्था, स्वच्छता, पेयजल, सुरक्षा तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का विस्तार से अवलोकन किया। कलेक्टर ने छात्रावास प्रशासन को स्पष्ट निर्देश दिए कि विद्यार्थियों के रहने और पढऩे के वातावरण में किसी भी प्रकार की कमी न रहे, ताकि वे निर्बाध रूप से अपनी पढ़ाई जारी रख सकें।
निरीक्षण के समय कलेक्टर ने भोजन की गुणवत्ता की जानकारी ली और कहा कि बच्चों को पौष्टिक एवं संतुलित भोजन उपलब्ध कराना छात्रावास प्रशासन की प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने परिसर में साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने की बात कही। शीत ऋतु को ध्यान में रखते हुए उन्होंने रात्रि में अलाव की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए, ताकि छात्रों को ठंड से राहत मिल सके।कलेक्टर डॉ. सिंह ने छात्रावास में रह रहे विद्यार्थियों से आत्मीय वार्ता कर उनकी पढ़ाई, दिनचर्या और आगामी परीक्षाओं की तैयारी के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि अनुशासन, नियमित अध्ययन और स्पष्ट लक्ष्य सफलता की मूल कुंजी हैं। विद्यार्थियों को सलाह देते हुए उन्होंने कहा कि सभी विषयों के लिए स्वयं के हस्तलिखित नोट्स तैयार करें, क्योंकि खुद के बनाए नोट्स न केवल समझ को मजबूत करते हैं, बल्कि परीक्षा के समय त्वरित पुनरावलोकन में भी अत्यंत उपयोगी होते हैं।उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि कक्षा में शिक्षक जो पढ़ाते हैं, उसे ध्यानपूर्वक सुनें और हर विषय को समझने का प्रयास करें। कलेक्टर ने प्रतियोगी परीक्षाओं, खेल गतिविधियों तथा भविष्य की करियर योजनाओं के बारे में छात्रों से जानकारी प्राप्त की और उन्हें प्रोत्साहित किया कि वे अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार लक्ष्य तय कर सतत प्रयास करें।निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने विद्यालय प्रशासन को निर्देश दिए कि बोर्ड परीक्षाओं एवं प्रतियोगी परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुए छात्रों के लिए अतिरिक्त कक्षाएं संचालित की जाएं, जिससे उन्हें बेहतर तैयारी का अवसर मिल सके। उन्होंने कहा कि छात्रों को मार्गदर्शन और उचित वातावरण उपलब्ध कराना प्रशासन की जिम्मेदारी है। कलेक्टर के इस निरीक्षण से छात्रावास में हौसला दिखाई दिया और विद्यार्थियों ने भी बेहतर अध्ययन वातावरण की सराहना की। अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि कलेक्टर द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशों का गंभीरता से पालन किया जाएगा।

जमुई में जुए का अड्डा बेखौफ पुलिस की मिलीभगत पर उठ रहे गंभीर सवाल

शहडोल। जिले के सोहागपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत जमुई गांव में जुए का कारोबार खुलेआम फल-फूल रहा है, और पुलिस-प्रशासन की चुप्पी ने पूरे इलाके में आक्रोश और अविश्वास का माहौल पैदा कर दिया है। स्थानीय लोग महीनों से शिकायत कर रहे हैं कि देर रात तक ताश के पत्तों पर हजारों-लाखों रुपये का दांव लगाया जाता है, लेकिन हैरानी की बात यह है कि पुलिस अभी तक एक भी ठोस कार्रवाई नहीं कर पाई। लगातार बढ़ते इस अवैध कारोबार ने गांव को अपराध का केंद्र बना दिया है, जबकि पुलिस की उदासीनता ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। जानकारी के अनुसार, गांव में चल रहे इस जुए में क्षेत्र के मास्टर माइंड रजनी की भूमिका बताई जा रही है, जो लंबे समय से इस नेटवर्क को संचालित कर रहा है।
स्थानीय लोगों का आरोप है कि रजनी के संरक्षण में जुए का गिरोह इतना मजबूत हो चुका है कि अब वह पुलिस की मौजूदगी को भी चुनौती देने लगा है। रात में खुलेआम होने वाले इस जुए ने गांव के युवाओं को अपने जाल में फंसा दिया है। कई युवक कर्ज में डूब चुके हैं और जुए की लत ने परिवारों की कमर तोड़ दी है। मेहनतकश परिवार अपनी दिनभर की कमाई इस अवैध खेल में गंवा रहे हैं, जिससे सामाजिक असुरक्षा बढ़ती जा रही है।ग्रामीणों का यह भी कहना है कि जुए के अड्डे के पास शराब, सिगरेट और नशे का कारोबार भी साथ-साथ चल रहा है। यह स्थिति न केवल अपराध को बढ़ावा दे रही है, बल्कि युवाओं की जिंदगी को बर्बादी की ओर ले जा रही है।

इतना सब होने के बाद भी पुलिस की कार्रवाई शून्य है। लोग खुलकर आरोप लगा रहे हैं कि पुलिस की नजरें केवल कायतकर्ताओं पर रहती हैं, जुआ संचालकों पर नहीं जो सीधे-सीधे मिलीभगत की ओर इशारा करती है।स्थानीय निवासियों का कहना है कि उन्होंने कई बार पुलिस को सूचना दी, लेकिन हर बार उन्हें सिर्फ आश्वासन ही मिला। जुए के टेबल खुलते हैं, नोटों की गड्डियां घूमती हैं, विवाद होते हैं—लेकिन पुलिस की गाड़ी कभी नहीं पहुंचती। आखिर ऐसा क्यों? क्या पुलिस इस अवैध कारोबार को जानबूझकर संरक्षण दे रही है? क्या कानून केवल गरीबों के लिए ही रह गया है? ग्रामीण अब प्रशासन से सीधी मांग कर रहे हैं कि जुआ संचालकों पर कड़ी कार्रवाई की जाए और इस पूरे नेटवर्क को ध्वस्त किया जाए। यदि इसी तरह पुलिस हाथ पर हाथ रखे बैठी रही, तो जमुई गांव जल्द ही अपराध और सामाजिक अराजकता का बड़ा केंद्र बन सकता है।

जन्मदिन उत्सव
महाबम्पर ड्रा
कल के अंक में देखें
हरिभूमि के सुधि पाठकों को सूचित किया जाता है कि पाठकों के लिए जन्मदिन उत्सव योजना चलायी गई थी। जिसका महाबम्बर ड्रा दिनांक 22 नवंबर 2025 से निकाला जायेगा।
भाग्यशाली पाठकों के उपहार देने की सूचना समाचार पत्र में प्रकाशित किया जायेगा।

आबकारी आरक्षक ने बच्चों को बांटे गर्म कपड़े

शहडोल। जिले से लगभग 70 किलोमीटर दूर ग्राम लखनवार ग्राम पंचायत करकी में ठंड के मौसम को देखते हुए प्राथमिक स्कूल एवं आंगनवाड़ी केंद्र के बच्चों को गर्म कपड़े वितरित किए गए। सामाजिक सरोकार को ध्यान में रखते हुए आबकारी निरीक्षक सहेज सिंह ने करीब 30 ग्रामीण छात्र-छात्राओं को स्वेटर, टोपी, जूते और मोजे प्रदान किए। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने इस पहल के लिए आबकारी निरीक्षक का आभार व्यक्त किया और इसे अनुकरणीय कदम बताया। बच्चों ने नए कपड़े पहनकर उपस्थित लोगों का अभिवादन किया और उत्साह के साथ शैक्षणिक गतिविधियों में भाग लिया। इस पहल में युवा जन सेवा समिति कटनी का महत्वपूर्ण सहयोग रहा, जिसने बच्चों के लिए आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई। वहीं समाजसेवी एवं पैरा लीगल वॉलेंटियर प्रकाश राव ने भी कार्यक्रम के आयोजन में सक्रिय भूमिका निभाई। ग्रामीणों ने कहा कि सर्द मौसम में बच्चों को गर्म कपड़ों की आवश्यकता गंभीर होती है, ऐसे में इस तरह की पहल न सिर्फ मानवीय संवेदना का प्रतीक है, बल्कि बच्चों के स्वास्थ्य और शिक्षा दोनों के लिए उपयोगी है। कार्यक्रम के सफल आयोजन से क्षेत्र में सकारात्मक माहौल देखने को मिला।

शोक संदेश

श्रीमती सरस्वती देवी नागवानी

स्व. श्री भजन लाल नागवानी जी की धर्मपत्नी, ओमप्रकाश (गुड्डु) नागवानी की माताश्री, कैलाश लालवानी की सासु मां का स्वर्गलोक गमन गया है।
जिनकी अंतिम यात्रा आज दिनांक 21.11.2025 दिन शुक्रवार सुबह 11.00 बजे निज निवास वार्ड क्रमांक 9 आनंदपुर सत्संग आश्रम के बगल से प्रारम्भ होकर शांति वन बुढ़ार जाएगी ।

शोकाकुल-नागवानी परिवार,बुढ़ार
मो.9926707489

प्रभारी कलेक्टर ने एसआईआर कार्य का किया औचक निरीक्षण

निर्धारित तिथि तक कार्य पूरा करने के सख्त निर्देश, लापरवाही पर कार्रवाई तय

उमरिया

आगामी मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को सुचारू व त्रुटिरहित बनाने प्रशासन पूरी गंभीरता से जुट गया है। प्रभारी कलेक्टर अभय सिंह ने मंगलवार को 89-बांधवगढ़ विधानसभा के धनवाही स्थित मतदान केंद्र पहुंचकर बीएलओ द्वारा किए जा रहे एसआईआर कार्य का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्रगति की विस्तार से समीक्षा की और स्पष्ट निर्देश दिए कि एसआईआर कार्य हर हाल में निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा हो। उन्होंने चेतावनी दी कि इस महत्वपूर्ण कार्य में किसी भी तरह की लापरवाही बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निरीक्षण के समय उप जिला निर्वाचन अधिकारी रीता डेहरिया, मास्टर ट्रेनर सुशील मिश्रा सहित संबंधित बीएलओ उपस्थित रहे।

प्रभारी कलेक्टर ने प्राथमिक शाला नरवार और शासकीय माध्यमिक विद्यालय भडारी स्थित मतदान केंद्रों का भी निरीक्षण किया। नरवार में एसआईआर कार्य मात्र 25 प्रतिशत ही पाया गया, जिस पर उन्होंने नाराजग़ी जताते हुए बीएलओ को कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची को अद्यतन और त्रुटिरहित बनाना अत्यंत संवेदनशील जिम्मेदारी है, इसलिए इसे पूरी गंभीरता और प्राथमिकता के साथ संपादित किया जाए। नरवार निरीक्षण के दौरान बीएलओ उमेश कुमार वर्मा और अनिल कुमार त्रिपाठी उपस्थित रहे।

प्रभारी कलेक्टर ने बताया कि घर-घर सत्यापन उपरांत 9 दिसंबर 2025 को प्रारूप (ड्राफ्ट) मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। नागरिक 9 दिसंबर 2025 से 8 जनवरी 2026 तक अपने नाम से संबंधित दावा-आपत्तियां दर्ज करा सकेंगे, जबकि अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 7 फरवरी 2026 को किया जाएगा।

रजिस्ट्रीकरण अधिकारी मानपुर हरनीत कौर कालसी ने मानपुर विधानसभा के सेक्टर-13 में मतदान केंद्र क्रमांक 121 से 130 तक एसआईआर कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने बीएलओ और सुपरवाइजरों को एक स्थान पर बुलाकर फॉम्र्स के डिजिटाइजेशन कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए और निर्धारित अवधि के भीतर एसआईआर कार्य पूरा करने को कहा। उन्होंने भी आगामी तिथियों की जानकारी देते हुए स्पष्ट किया कि अभियान की समय-सीमा का कड़ाई से पालन अनिवार्य है।

जिलेभर में बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं से संपर्क कर रहे हैं, गणना पत्रक की दो प्रतियां वितरित कर रहे हैं और उपलब्ध एप पर मतदाता विवरण अपडेट कर रहे हैं। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार यह अभियान मतदाता सूची को अधिक सटीक, अद्यतन और त्रुटिरहित बनाने पर केंद्रित है। प्रशासन ने दोहराया कि एसआईआर कार्य समय पर पूरा करना सर्वोच्च प्राथमिकता है और लापरवाही की कोई गुंजाइश नहीं।

ठंड से बचने लोगों को वितरित किए गए कंबल

उमरिया। मुख्यमंत्री मोहन यादव की संवेदनशील सोच को परिलक्षित करते हुए मुख्य नगर पालिका अधिकारी किशन सिंह ठाकुर ने बताया कि नगरीय निकाय अंतर्गत लोगो को ठंड से बचने की समझाइश देते हुए कंबल का वितरण किया गया।इस दौरान बस स्टैंड मे 1 महिला, 3 पुरुष,ज्वालामुखी कॉलोनी मे 1 महिला स्टेशन से 4 महिला 2 पुरुष घंघरी नाका से 1 पुरुष को आश्रय स्थल में ठहराया गया। नगर पालिका उमरिया द्वारा संचालित आश्रय स्थल में ठंड को देखते हुए संपूर्ण व्यवस्था की गई है।

अदावाकृत बैंक परिसंपत्तियों के निराकरण संबन्धित शिविर का आयोजन आज

उमरिया। लीड बैंक प्रबंधक सेवकराम सोनवानी ने बताया कि वित्तीय सेवा विभाग,वित्त मंत्रालय,भारत सरकार के निर्देशानुसार उमरिया जिले मे अदावाकृत बैंक परिसंपत्तियों के निराकरण संबन्धित शिविर का आयोजन 21 नवंबर अपराह्न 12 बजे से जिला पंचायत उमरिया सभागृह मे किया जा रहा है। इस शिविर मे जिले के समस्त बैंक एवं बीमा कंपनी के अधिकारी लंबित अदावाकृत प्रकरणों के त्वरित निराकरण हेतु उपलब्ध रहेंगे।

शिविर का आयोजन मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत उमरिया की अध्यक्षता मे किया गया है । इस अवसर पर हितग्राही भी उपस्थित रहेंगे। शिविर की थीम आपकी पूंजी, आपका अधिकार है। शिविर का उद्देश्य अभियान के अंतर्गत नागरिकों को वित्तीय संपतियों जिसमे अदावाकृत बैंक जमा खाते, बीमा राशि एवं अन्य के दावा किए जाने संबंधी कार्यवाही एवं नागरिकों की वित्तीय संपतियों को पुनः सक्रिय वित्तीय प्रवाह में लाने तथा जनसाधारण में वित्तीय जागरूकता बढ़ाने की दिशा मे मार्गदर्शन किया जाना है।

प्रभारी एसडीएम ने एसआईआर कार्य का किया निरीक्षण

उमरिया। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत जिले में मतदाता सूची को अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाने के उद्देश्य से एसआईआर प्रक्रिया संचालित की जा रही है। जिले के सभी बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) घर-घर जाकर मतदाताओं से संपर्क कर रहे हैं और दो प्रतियों में तैयार गणना पत्रक वितरित कर रहे हैं और एप पर उपलब्ध लिंक पर मतदाता विवरण अद्यतन कर रहे हैं। प्रभारी एसडीएम बांधवगढ़ कमलेश नीरज ने मतदान केंद्र क्रमांक 129, 130, 131, 132, 133, 134, 135, 136, 137 तथा मतदान केंद्र क्रमांक 138 मे चल रहे एसआईआर कार्य का औचक निरीक्षण किया तथा बीएलओ से एसआईआर में अब तक किए गए डिजिटाईजेशन के संबंध में जानकारी प्राप्त की तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान तहसीलदार बांधवगढ दिलीप सोनी भी साथ थे।

कृषि विज्ञान केंद्र में एक दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

उमरिया। जिला सहकारी केंद्रीय सहकारी बैंक मर्यादित शहडोल सभागार में अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के तहत 72वाँ अखिल भारतीय सहकारी सप्ताह के मुख्य विषय आत्मनिर्भर भारत के रूप में सहकारिता का योगदान पर आधारित एक सहकारी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कृषि विज्ञान केंद्र उमरिया में किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला सहकारी बैंक के मुख्य कार्य पालन अधिकारी एस.के. यादव द्वारा कि गई।कार्यक्रम में इफको उप क्षेत्र प्रबंधक इफको उमरिया राजेश कुमार मौर्य ने कृषि,किसान और सहकारिता के विकास के योगदान में इफको द्वारा किए जा रहे कार्यों की चर्चा की। कृषक द्वारा वर्तमान समय में उर्वरक के बढ़ते असंतुलित उपयोग को कम कर जैव उर्वरक, नैनो उर्वरक, नैनो डीएपी और सागरिका के बारे मैं बताया । दानेदार उर्वरक के अत्यधिक उपयोग से मृदा, जल, और वायु प्रदूषण हो रहा है और स्वस्थ खराब हो रहा है।भारत सरकार की उर्वरक पर खर्च हो रही अनुदान राशि की भी क्षति हो रही है। इसके जगह कृषि में नैनो डीएपी और नैनो यूरिया के उपयोग और महत्व को बताया। कृषकों को प्रति बोरी और प्रति बोतल दी जाने वाली इफको की निशुल्क संकट हरण बीमा योजना के बारे में बताया।

सहकारी समितियों के व्यवसाय वृद्धि हेतु अन्य उत्पाद, कृषि रसायन, बीमा व्यवसाय, बीज व्यवसाय की चर्चा की। कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रभारी वैज्ञानिक के पी तिवारी ने फसलों में उपयोग होने वाले पोषक तत्वों के कार्य और संतुलित उर्वरक उपयोग, जैविक खेती तथा नैनो उर्वरकों के प्रयोग और लाभ के बारे में बताया और कृषकों को इसके सही उपयोग के लिए जागरूक करने हेतु कृषक गोष्ठी के लिए कहा।

उप संचालक कृषि कल्याण उमरिया संग्राम सिंह मरावी ने प्रधानमंत्री धन धान्य योजना अंतर्गत कृषि और किसान के हित में योजनाओं और सहकारिता के योगदान के बारे में बताया।सहायक आयुक्त सहकारिता अभय सिंह ने सहकारिता के विकास और व्यवसाय विविधीकरण और एक टीम के साथ एक जुट होकर कार्य करने की सलाह दी।

एस.के.यादव ने कहा कि सहकारिता ही बेहतर विश्व का निर्माण कर सकती है और सभी प्रबंधकों को संस्था और कृषक हित में एकजुट होकर सहकारी भावना के साथ कार्य करने की सलाह दी और नई कृषि तकनीक और नैनो उर्वरकों का प्रदर्शन लगाने, कृषक गोष्ठी आयोजित कर जागरूक रहने की बात कही।। केंद्र के वैज्ञानिक डॉक्टर विनीता सिंह ने संतुलित पोषक आहार और मृदा स्वस्थ संतुलन तथा कम रसायन और दवाओं का उपयोग कर जैविक प्राकृतिक खेती करने की सलाह दी। डॉक्टर कुन्दन मुवेल ने मृदा परिक्षण कराकर उर्वरक प्रयोग करने की बात कही । वर्ष 2024 25 में सर्वाधिक नैनो उर्वरक वितरण करने वाली समिति कोटरी के प्रबंधक आर डी तिवारी, समिति चंदिया के प्रबंधक देवेंद्र सिंह और समिति तथा मार्कफेड उमरिया के गोदाम प्रभारी टी.पी.सोनी प्रबंधक को सम्मानित किया। साथ ही प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 21वी किस्त के तहत सम्मान राशि का हस्तांतरण का सजीव प्रसारण भी सभी अतिथियों और अधिकारियों तथा सहकारी समिति प्रबंधक शाखा प्रबंधक उमरिया जिला तथा 100 से अधिक कृषकों की उपस्थित देखा गया। कार्यक्रम का संचालन इफको उपक्षेत्र प्रबंधक शहडोल राजेश मौर्य ने किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कृषि विज्ञान केंद्र के प्रभारी और वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉक्टर के पी तिवारी रहे तथा विशिष्ट अतिथि उपसंचालक कृषि तथा कृषि कल्याण उमरिया जिला संग्राम सिंह मरावी , सहायक आयुक्त सहकारिता अभय सिंह रहे। कार्यक्रम मे जिला सहकारी बैंक के सहायक प्रबंधक जगदीश चंद्र,मार्केटिंग ऑफिसर शिव प्रसाद चौधरी,सहकारिता निरीक्षक आर पी सिंह,अश्वनी सिंह संदीप साकेत और केंद्र के वैज्ञानिक डॉक्टर विनीता सिंह और डॉक्टर कुंदन,आदर्श त्रिपाठी ,सुनील शुक्ला और जिला सहकारी बैंक उमरिया के सभी शाखा प्रबंधक और समिति प्रबंधक उपस्थित रहे।

जैतहरी बस्ती में 20 साल से लंबित सड़क का निर्माण कार्य पूर्ण

हरिभूमि न्यूज जैतहरी। जैतहरी बस्ती की सबसे बडी और दो दशकों से लंबित समस्या आखिरकार समाधान की राह पर आ गई है। बस्ती स्कूल रोड के लगभग 400 मीटर लंबे हिस्से का निर्माण कार्य पूर्ण हो गया हैए जिससे स्थानीय नागरिकों में उत्साह और राहत दोनों का माहौल है। वर्षों से जर्जर पडी इस सडक के कारण बच्चों को स्कूल जाने में परेशानीए बारिश में कीचड और जलभरावए तथा दैनिक आवागमन में कठिनाइयाँ आम बात बन चुकी थीं। अब इसके दुरुस्त और मजबूत निर्माण से बस्ती की तस्वीर बदलने लगी है।

निर्माण कार्य पूर्ण होने पर नगर परिषद अध्यक्ष उमंग अनिल गुप्ता और ब्ड० भूपेंद्र सिंह ने संयुक्त रूप से निरीक्षण किया। दोनों ने बताया कि यह सडक बस्तीवासियों की सबसे पुरानी और प्रमुख मांगों में शामिल थी। कई तकनीकी और वित्तीय अडचनों के बावजूद स्थानीय जनप्रतिनिधियों और परिषद प्रशासन ने इसे प्राथमिकता देकर पूरा कराया। अध्यक्ष उमंग अनिल गुप्ता ने कहा कि श्यह सडक मेरे प्यारे बस्तीवासियों को समर्पित है। यह केवल सडक निर्माण नहींए बल्कि बस्ती के विकास का प्रतीक है। हमारा प्रयास है कि जैतहरी की हर पुरानी समस्या का स्थायी समाधान किया जाए। वहीं ब्ड० भूपेंद्र सिंह ने बताया कि निर्माण में गुणवत्ता को सर्वोपरि रखा गया है। सडक को भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए मजबूत और टिकाऊ बनाया गया है ए ताकि आने वाले कई वर्षों तक क्षेत्रवासियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। स्थानीय नागरिकों बुजुर्गों से लेकर युवाओं और महिलाओं ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि दो दशक से लंबित यह कार्य पूरा होना अपने आप में बस्ती के लिए बडी उपलब्धि है। लोगों ने नगर परिषद को धन्यवाद देते हुए कहा कि इस सडक के निर्माण से अब बच्चों को स्कूल जाना आसान होगाए आवागमन में सुधार आएगा और क्षेत्र के विकास को नई दिशा मिलेगी।

सरपंच के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पारित

अमरपुर। जनपद पंचायत अमरपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत बोधघुण्डी की निर्वाचित सरपंच जयमती कुशराम के विरुद्ध ग्राम पंचायत के सभी पंचगण रूष्ठ होकर अविश्वास के आसय का आवेदन अनुविभागीय अधिकारी राजस्व डिंडौरी को दिए। जिस पर 19 नवंबर को पंचायत का सम्मेलन नायब तहसीलदार अमरपुर की अध्यक्षता में आहूत की गई। जिस पर ग्राम पंचायत की सभी 10 पंचों ने अविश्वास के पक्ष में मतदान किया और 10 की विरुद्ध 0 से प्रस्ताव पारित हुआ और तब से ही ग्राम पंचायत बोधघुण्डी में सरपंच का पद रिक्त हो गया।

इनका कहना हैं कि-

हम सभी पंचगण सरपंच की कार्यप्रणाली से परेशान थे, और अब अविश्वास करके सफल हुए हैं।

शंकर सिंह कुशराम

नगर पालिका क्षेत्र में किया जा रहा शुद्धिकरण का कार्य

हरिभूमि न्यूज कोतमा। मतदाता सूची विशेष ग्रहण पुनरीक्षण एसआईआर शुद्धिकरण का कार्य वर्तमान में नगर पालिका क्षेत्र में किया जा रहा है। इसके लिए बी यल ओ के साथ ही नगर पालिका के कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है जो घर-घर दस्तक देखकर गणना पत्रक वितरित करने के साथ ही फार्म भरवाने में सहयोग कर रहे हैं। वहीं मुख्य नगर पालिका अधिकारी के द्वारा वार्ड क्रमांक 3 पुराना अस्पताल परिसर में हेल्प टैक्स भी शुरू किया गया है जहां नगर पालिका के कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है जिनके द्वारा नागरिकों को होने वाली समस्या से अवगत होने के बाद उसका निदान कर रहे हैं। नगर पालिका क्षेत्र का 29855 कुल मतदाता हैं जिनमें आज तक लगभग 5000 मतदाताओं का प्रपत्र जमा करते हुए ऑनलाइन फीडिंग भी कर दी गई है। नगर पालिका अजय सराफ कर्मचारियों के साथ घर घर दस्तक देते हुए मतदाताओं से सहयोग की अपील कर रहे हैं। नगर पालिका अध्यक्ष अजय सराफ ने बताया कि नगर पालिका क्षेत्र में वोटर लिस्ट एसआईआर अपडेट का काम तेजी से प्रारंभ हो गया है। उन्होंने मतदाताओं सेअपील की है कि वे 4दिसंबर के पूर्व अपनी वोटर लिस्ट एसआईआर अपडेट कर अपने बीएलओ के पास जमा कर दे।वोटर लिस्ट अपडेट एसआईआर का कार्य नगर पालिका परिषद कोतमा के 15 वार्डों में किया जा रहा है। नगर पालिका के कर्मचारियों की ड्यूटी भी लगाई गई है जो मतदाताओं का प्रपत्र भरने मे सहयोग कर रहे हैं।

न्यायाधीश के घर पत्थरबाजी के आरोपियों की जमानत खारिज

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

न्यायालय में पदस्थ न्यायाधीश अमनदीप सिंह छाबडा के निवास पर बदमाशों के द्वारा पत्थर बाजी कर जान से मारने की धमकी, गेट लैंप एवं एंगल को तोडफोड सहित न्यायालय की गरिमा के विपरीत टिप्पणी के बहुचर्चित मामले की सुनवाई करते हुए जमानत को प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश की अदालत ने खारिज कर दिया है।

अपर लोक अभियोजक संतोष सोनी ने जानकारी देते हुए बताया कि 25 अक्टूबर को आधी रात को की गई गंभीर मामले में आरोपी प्रियांशु सिंह पिता मनोज सिंह 25 वर्ष,संतोष रजक पिता दिलराज रजक 32 वर्ष एवं संदीप चौरसिया पिता पुतानी चौरसिया 31 वर्ष सभी निवासी भालूमाडा के खिलाफ थाने में धारा 224, 294, 324, 331 (6), 333, 351 (3), 61 2 बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर गिरफ्तार किया गया था। आरोपी प्रियांशु सिंह के खिलाफ आधा दर्जन से ज्यादा मामले दर्ज हैं।

आरोपियों द्वारा न्यायाधीश आवास पर आधी रात किए गए पत्थरबाजी, जान से मारने की धमकी देने की घटना को अत्यंत गंभीर एवं न्यायपालिका की सुरक्षा पर संकट माना है। आरोपियों का पूर्व का आपराधिक इतिहास भी है। पेश किए गए तथ्य एवं लोक अभियोजक के द्वारा किए गए विरोध के फलस्वरूप सभी की जमानत निरस्त किया गया। विदित रहे कि उक्त घटना को लेकर पूरे जिले में कानून व्यस्था पर कई सवाल खडे कर दिए थे। पुलिस की लापरवाही मानते हुए थाना प्रभारी सहित रात्रि गस्त में रहे 2 पुलिस कर्मचारियों को सस्पेंड किया जा चुका है।

खबर संक्षेप

बाल एवं किशोर श्रम उन्मूलन पर जोर, कलेक्टर ने दिए सख्त निर्देश

शहडोल। बाल एवं किशोर श्रम प्रतिषेध एवं विनियमन अधिनियम, 1986 में किए गए संशोधनों की प्रभावी जानकारी आमजन तक पहुंचे, इसके लिए कलेक्ट्रेट सभागार में सोमवार को कलेक्टर डॉ. केदार सिंह की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर ने श्रम विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि अधिनियम के नए प्रावधानों का विस्तृत प्रचार-प्रसार गांवों, कस्बों और श्रमिक बहुल क्षेत्रों में सुनिश्चित किया जाए, ताकि किसी भी बालक को श्रम के दायरे में धकेला न जा सके। बैठक के दौरान श्रम अधिकारी ने संशोधित कानून की प्रमुख बातें रखीं। उन्होंने बताया कि अधिनियम के अनुसार 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों से किसी भी प्रकार का कार्य कराना पूर्णतः प्रतिबंधित है। वहीं 14 से 18 वर्ष आयु वर्ग के किशोर श्रमिकों को खतरनाक प्रक्रियाओं वाले कार्यों में नियुक्त करना कानूनन अपराध है। उनके कार्य की समय सीमा तीन घंटे निर्धारित की गई है, जिसके बाद एक घंटे का अनिवार्य विश्राम दिया जाना जरूरी है। किशोर श्रमिकों से ओवरटाइम कार्य कराने पर भी सख्त रोक लगाई गई है। अधिकारियों ने बताया कि जिला दंडाधिकारी को अब इन प्रावधानों के पालन की निगरानी और क्रियान्वयन का अधिकार दिया गया है, जिसके तहत प्रतिबंधित कार्यस्थलों का नियमित निरीक्षण किया जाएगा। केंद्र सरकार द्वारा बाल और किशोर श्रमिकों की पहचान, बचाव और पुनर्वास के लिए ''पेंसिल पोर्टल'' संचालित किया जा रहा है, जिसमें जिले में चिन्हित मामलों को दर्ज कर कार्रवाई की जाती है। श्रम अधिकारी ने बताया कि संशोधित अधिनियम के तहत अब अभिभावकों या संरक्षकों पर भी कार्रवाई का प्रावधान है। उल्लंघन की स्थिति में 10 हजार रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि अप्रैल 2025 से अक्टूबर 2025 के बीच जिला स्तर पर 66 निरीक्षण किए गए, जिनमें 4 किशोर श्रमिक नियोजित पाए गए। इन मामलों में दो नियोजकों के विरुद्ध अभियोजन प्रकरण तैयार कर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय में प्रस्तुत किए गए हैं। जिले में बाल श्रम उन्मूलन के लिए रैलियों, जागरूकता कार्यक्रमों और नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से लगातार संदेश पहुंचाया जा रहा है। कलेक्टर ने कहा कि बाल श्रम न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि बच्चों के अधिकारों का हनन भी है। उन्होंने निर्देश दिए कि विभागीय टीमें स्कूलों, बाजारों और औद्योगिक क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाकर इस कुप्रथा पर रोक लगाने के प्रयासों को और सशक्त करें।

शीत लहर से राहत दिलाने अलाव एवं रैन बसेरा सुविधा

कटनी। नगर में बढ़ती शीत लहर के मद्देनजर नगर निगम प्रशासन द्वारा नागरिकों को ठंड से राहत प्रदान करने हेतु अलाव व्यवस्था सहित बस स्टेंड स्थित रैन बसेरा की व्यवस्था को सुदृढ़ और सतत रूप से संचालित किया जा रहा है। महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी तथा निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार के निर्देशानुसार निगम की फील्ड टीमें शहर के भीड़भाड़ वाले स्थानों जैसे मुख्य मार्ग, प्रमुख चौराहे, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, बाजार क्षेत्र तथा रात्रिकालीन यातायात वाले हिस्सों में अलाव हेतु जलाऊ लकड़ियों की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित कर रही हैं। वहीं शीत लहर से बचाव हेतु रैन बसेरा पहुंचनें वाले जरूरतमंद नागरिकों को भी रात्रि गुजर हेतु गर्म कपडों सहित पर्याप्त व्यवस्थाएं की गई है। निगम कर्मियों द्वारा अलाव स्थलों का नियमित निरीक्षण कर यह देखा जा रहा है कि नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। साथ ही, कमजोर वर्ग के लोगों जैसे मजदूर, रिक्शा एवं ऑटो चालकों, रात में कार्यरत कर्मचारियों तथा राहगीरों को प्राथमिकता देते हुए अलाव की व्यवस्था को प्रभावी बनाने के प्रयास किये जा रहे है। निगम प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे अत्यधिक ठंड के समय निर्धारित अलाव स्थलों सहित बस स्टैंड स्थित रैन बसेरा की निशुल्क सुविधा का उपयोग कर शीत लहर से स्वयं को सुरक्षित रखें, वर्तमान में अलाव हेतु अतिरिक्त स्थलों का चयन किया जाकर अलाव के प्वाइंटों को बढ़ाने की प्रक्रिया जारी है।

विश्व मत्स्य दिवस पर विश्वविद्यालय में कार्यक्रम सम्पन्न

राज्य व देशभर के विशेषज्ञों ने साझा किए अनुभव

विद्यार्थियों को मिला आधुनिक तकनीकों का प्रशिक्षण

पंडित शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय के मत्स्य विज्ञान विभाग द्वारा विश्व मत्स्य दिवस के उपलक्ष्य में पांच दिवसीय एकीकृत फिशरीज जागरूकता एवं कौशल विकास कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

शहडोल।

कुलगुरु प्रो. रामशंकर के मार्गदर्शन और कुलसचिव आशीष तिवारी के नेतृत्व में आयोजित इस प्रशिक्षण को राष्ट्रीय मत्स्य विकास बोर्ड, हैदराबाद ने प्रायोजित किया, जबकि एलआईसी, पहला अनाया अकैडमी, जन परिषद और जय ऑटोमोबाइल सह-प्रायोजक रहे। विश्वविद्यालय परिसर स्थित स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स एवं परिषद भवन में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों, शोधार्थियों तथा स्थानीय लोगों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

उद्घाटन सत्र में पूर्व अध्यक्ष, केंद्रीय विश्वविद्यालय विनियामक आयोग (मप्र) प्रो. भरत शरण सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. विनय कुमार सिंह, पूर्व कुलसचिव एवं वरिष्ठ शिक्षाविद ने की। कुलगुरु प्रो. रामशंकर ने अपने संदेश में कहा कि फिशरीज क्षेत्र रोजगार, उद्यमिता और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने वाला उभरता हुआ माध्यम है। उन्होंने विद्यार्थियों को कौशल आधारित शिक्षा, स्थानीय संसाधनों के वैज्ञानिक उपयोग और आधुनिक तकनीकों के साथ प्रयोग करने की प्रेरणा दी।

विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित एलआईसी के वरिष्ठ मंडल प्रबंधक मुकेश रंजन प्रसाद ने आर्थिक प्रबंधन, जोखिम आकलन और उद्यमिता विकास पर उपयोगी सुझाव दिए। मुख्य अतिथि प्रो. सिंह ने फिशरीज को भारतीय ज्ञान परंपरा और आधुनिक प्रौद्योगिकी के बीच महत्वपूर्ण सेतु बताते हुए कहा कि यह क्षेत्र ग्रामीण युवाओं के लिए रोजगार और नवाचार के व्यापक अवसर प्रदान करता है। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रो. विनय कुमार सिंह ने पंडित शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय में मत्स्य विभाग की स्थापना, इसकी शैक्षणिक उपयोगिता और विद्यार्थियों की उपलब्धियों का विस्तृत उल्लेख किया।

कार्यक्रम में देश-प्रदेश के कई विशेषज्ञों, प्रगतिशील किसानों और उद्यमियों ने फिशरीज के विभिन्न क्षेत्रों पर व्यावहारिक जानकारी दी। छतरपुर से आए ऑर्नामेंटल फिश फार्मिंग विशेषज्ञ सक्षम रैकवार ने बिना किसी रासायनिक पदार्थ के प्राकृतिक विधि से मछली पालन, प्रजनन तकनीक, जल गुणवत्ता प्रबंधन और व्यावसायिक विस्तार पर प्रशिक्षण दिया। इसी क्रम में आदित्य कुमार, बृजेश ठाकुर, सोमनाथ प्रदीप पाल तथा पवन कुमार साहू ने फिश फूड उत्पादन, बायोफ्लॉक्स तकनीक, वॉटर लिली हाइब्रिडाइजेशन तथा मत्स्य उद्यमिता के नवीन अवसरों पर अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम में योगदान देने वाले विशेषज्ञों का विशेष सम्मान भी किया गया।

स्टार्टअप आधारित सीखने के मॉडल के अंतर्गत मत्स्य विभाग के विद्यार्थियों द्वारा विकसित ''एकुआ फ्रेंड'' ने विशेष ध्यान आकर्षित किया। इस स्टार्टअप से जुड़े शिवम भट्ट, कैवल्य प्रजापति और पीयूष मिश्रा ने प्राकृतिक तरीकों से एक्वेरियम निर्माण, रखरखाव और इसके व्यवसायिक उपयोग की विस्तृत जानकारी दी।

विभागाध्यक्ष प्रो. अमित कुमार निगम ने मत्स्य विभाग में संचालित अनुसंधान परियोजनाओं, नवाचारों और प्रशिक्षण मॉडलों की जानकारी प्रस्तुत की। कार्यक्रम की मुख्य संयोजक डॉ. वंदना राम ने बताया कि प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य युवा प्रतिभाओं को फिशरीज आधारित उद्यमिता की ओर प्रेरित करना है, ताकि वे क्षेत्र में रोजगार सृजन और आर्थिक विकास में योगदान दे सकें। कार्यक्रम के संचालन की जिम्मेदारी डॉ. ममता प्रजापति ने निभाई।

पांच दिवसीय इस प्रशिक्षण में राजा मिश्रा, राजपाल पाटले, किरण मिश्रा, अंजलि पटेल और दीपक विश्नोई सहित बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने भाग लिया। फिशरीज विभाग से डॉ. शिवानी शर्मा, पूजा घर, अंकित शुक्ला एवं अन्य स्टाफ की सक्रिय भूमिका से कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

गैस किल्लत के बीच कालाबाज़ारी का वीडियो वायरल

शहडोल।

जिले में एलपीजी की कमी से उपजे संकट के बीच बुढ़ार में सिलेंडरों की कथित कालाबाज़ारी का मामला उजागर हुआ है। कॉलेज तिराहे के पास एक कार में गैस सिलेंडर भरते हुए गैस एजेंसी के कर्मचारी का वीडियो वायरल होने के बाद क्षेत्र में आक्रोश फैल गया है। वायरल फुटेज में स्पष्ट दिख रहा है कि एजेंसी कर्मचारी कार के भीतर लगातार सिलेंडर लोड कर रहा है, जबकि आम उपभोक्ता कई दिनों से लाइन में लगने के बावजूद गैस के लिए परेशान हैं।

स्थानीय निवासियों का आरोप है कि क्षेत्र में भारी किल्लत के बावजूद चुनिंदा लोगों को विशेष रूप से सिलेंडर उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जबकि आम जनता को गैस गोदाम के चक्कर लगाकर भी एक सिलेंडर नहीं मिल पा रहा। लोग कह रहे हैं कि दिनों से नंबर लगाकर इंतजार करने के बावजूद सिलेंडर नहीं मिल रहा, पर कार में एक साथ कई सिलेंडर पहुंचाए जा रहे हैं।

मामला सामने आने के बाद एजेंसी प्रबंधन ने सफाई दी कि उपभोक्ता का नंबर लगा होगा, इसलिए सिलेंडर दिए गए, लेकिन सवाल यह है कि जब एक आम उपभोक्ता को एक सिलेंडर भी बड़ी मुश्किल से मिलता है, तो एक वाहन में कई सिलेंडर कैसे आपूर्ति किए जा सकते हैं। वायरल वीडियो ने गैस वितरण व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से जांच कर सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

हाईवे किनारे पेड़ पर चढ़ा भालू, 12 घंटे तक नहीं पहुंची वन विभाग की टीम

भीड़ की अफरा-तफरी से वन्यजीव परेशान

शहडोल।

जिले के दक्षिण वन मंडल के खन्नौधी वन परिक्षेत्र में बीते दिनों एक असामान्य दृश्य सामने आया, जब शहडोल-रीवा स्टेट हाईवे से लगे क्षेत्र में एक विशाल पेड़ पर भालू चढ़ा हुआ देखा गया। सुबह इसकी जानकारी मिलते ही आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंचने लगे और कुछ ही देर में हाईवे किनारे भारी भीड़ इकत्र हो गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार भालू संभवतः पेड़ पर मौजूद मधुमक्खी के छत्ते से शहद पाने के लिए ऊपर चढ़ा था। लेकिन भीड़ का बढना और लोगों द्वारा लगातार शोर मचाए जाने से वह भयभीत होकर पेड़ की ऊंची शाखाओं में जा छिपा। मौके पर मौजूद कुछ लोग भालू को नीचे उतारने के लिए पत्थर फेंकते और डंडे मारने जैसी हरकतें करते रहे, जिससे जानवर और अधिक तनावग्रस्त हो गया। सबसे चिंताजनक बात यह रही कि घटना की जानकारी सुबह से ही वन विभाग को दी जा रही थी, बावजूद इसके देर रात तक विभाग की कोई टीम मौके पर नहीं पहुंची। लगभग 12 घंटे की इस देरी को लेकर ग्रामीणों में भारी नाराजगी दिखी। उनका कहना है कि यदि समय पर वनकर्मी पहुंचते तो न केवल जानवर की सुरक्षा सुनिश्चित होती, बल्कि भीड़ को नियंत्रित कर किसी अप्रिय घटना को भी रोका जा सकता था। इस दौरान कई ग्रामीण भालू का वीडियो बनाते रहे, जबकि कुछ ने सोशल मीडिया पर लाइव प्रसारण भी किया। वायरल हुए वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि भालू भीड़ और तेज शोर से घबराकर पेड़ के ऊपरी हिस्से में छिपने की कोशिश कर रहा है। घटना ने वन विभाग की सक्रियता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि हाईवे क्षेत्र में वन्यजीवों की आवाजाही बढने के बावजूद विभाग की प्रतिक्रिया बेहद धीमी और लापरवाह रही है।

विद्यार्थियों को मिली सुरक्षा एवं साइबर शिक्षा

शहडोल।

जिले के शासकीय एकीकृत हाई स्कूल अमरहा थाना सिंहपुर में महिला थाना शहडोल और यातायात पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में विद्यार्थियों को सुरक्षा, साइबर जागरूकता और सडक़ सुरक्षा के महत्व पर विस्तृत जानकारी दी गई। यह कार्यक्रम मुस्कान अभियान और यातायात सुरक्षा अभियान के अंतर्गत आयोजित किया गया।

मुस्कान अभियान के तहत महिला थाना शहडोल की टीम ने छात्र-छात्राओं को गुड टच-बैड टच, महिला संबंधी अपराध, साइबर क्राइम, ऑनलाइन सुरक्षा और व्यक्तिगत सुरक्षा उपायों के बारे में शिक्षित किया। बच्चों को बताया गया कि किसी भी अनुचित स्पर्श, धमकाने, बहलाने या गोपनीयता बनाए रखने के दबाव की स्थिति में वे तुरंत माता-पिता, शिक्षकों या पुलिस से संपर्क करें। साइबर सुरक्षा के लिए उन्हें अनजान व्यक्तियों से ऑनलाइन बातचीत न करने, संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करने, निजी जानकारी साझा न करने और किसी भी संदेहास्पद गतिविधि की सूचना पुलिस हेल्पलाइन 1098 पर देने की सलाह दी गई। महिला थाना प्रभारी निरीक्षक रामकुमार गायकवाल और उन्निण वर्षा बैगा कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

थाना सिंहपुर के प्रभारी निरीक्षक मुन्नालाल रहंगडाले, सहायक उप निरीक्षक शुभवंत चतुर्वेदी, प्रधान आरक्षक देवेंद्र पांडेय, प्रधान आरक्षक सत्यनारायण पांडेय और आरक्षक रावजी डोडवे ग्राम हर्रा टोल में जागरूकता अभियान का हिस्सा बने और छात्रों से संवाद किया।

शहडोल यातायात पुलिस ने महारानी लक्ष्मीबाई एमएलबी स्कूल में यातायात जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। छात्राओं को सडक़ सुरक्षा और यातायात नियमों का पालन करने के महत्व पर जानकारी दी गई। उन्हें स्टॉप एंड सेकंड रूल, हेलमेट और सीट बेल्ट का महत्व, ओवरस्पीडिंग के खतरे, सडक़ संकेतों की समझ और मोबाइल फोन का उपयोग न करने जैसी सावधानियों के बारे में बताया गया। कार्यक्रम में छात्रों के लिए प्रश्नोत्तरी का आयोजन भी किया गया, जिसमें सही उत्तर देने वाली छात्राओं को पुलिस ने पुरस्कृत किया। यातायात थाना प्रभारी निरीक्षक संजय जायसवाल और आरक्षक धीरज यादव सहित स्कूल स्टाफ भी उपस्थित रहे।

अधिकारियों ने कहा कि ऐसे अभियान विद्यार्थियों में सुरक्षा और नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ उनके आत्मविश्वास और आपात स्थिति में सतर्क रहने की क्षमता को भी मजबूत करते हैं। दोनों कार्यक्रमों का उद्देश्य छात्रों को सुरक्षित, सतर्क और जिम्मेदार नागरिक बनाने के साथ ही साइबर और सडक़ सुरक्षा के प्रति संवेदनशील करना रहा।

दादी की बातों से नाराज नाती ने डंडे से कर दी हत्या

उमरियापान। दादी की समझाइश से नाराज नाती ने उन पर हमला कर उनकी हत्या कर दी। घटना से पूरे गांव में सनसनी फैल गई है। घटना उमरियापान थाना क्षेत्र के परसवारा गांव की है।पुलिस ने आरोपी नाती के खिलाफ हत्या का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।थाना प्रभारी दिनेश तिवारी ने बताया कि उमरियापान थाना क्षेत्र के परसवारा निवासी इमरती बाई पटेल (80)बुजुर्ग अवस्था में घर पर ही रहती थीं। मंगलवार सुबह करीब 11बजे अपने नाती दीपक पिता नत्थू पटेल (32) को घर के कामों में हाथ बंटाने और जिम्मेदारियां निभाने की समझाइश दी। दादी की यह बातें दीपक को नागवार गुजरीं और गुस्से में उसने घर में रखे लकड़ी के डंडे से उन पर हमला कर दिया। हमले में बुजुर्ग महिला गंभीर रूप से घायल हो गईं और घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। सूचना मिलते ही उमरियापान पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम करवाया।बाद में शव परिजनों को सौंप दिया गया।पुलिस ने आरोपी नाती के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है और मामले की विवेचना जारी है।

सड़क जाम, तोड़फोड़ और आगजनी करने वाले आरोपी गिरफ्तार

शहडोल।

जिले के अमलाई थाना क्षेत्र में 17 सितंबर को हुई सडक़ मार्ग अवरुद्ध करने, वाहन क्षति और आगजनी की गंभीर घटना में पुलिस ने कड़ी कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। घटना ईटाभठ्ठा अमलाई पीपल तिराहा पर घटित हुई थी, जहां कुछ असामाजिक तत्वों ने सडक़ पर बैठकर चक्का जाम कर वाहनों का आवागमन रोक दिया। सूचनाकर्ता की रिपोर्ट के अनुसार आरोपियों ने लाठी, डंडा और रॉड का उपयोग कर मार्ग पर मौजूद वाहनों को रोकते हुए उत्पात मचाया। इस दौरान उन्होंने एक चार पहिया वाहन को घसीटकर पलट दिया, जिससे वह गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गया। इसके अलावा, एक मैजिक वाहन को सडक़ पर खड़ा कर आग लगा दी गई। आग इतनी विकराल थी कि वह पास स्थित दुकान और गोदाम में रखे कागज, गत्ते और प्लास्टिक सामग्री तक फैल गई, जिससे गोदाम में व्यापक नुकसान हुआ। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर त्वरित जांच शुरू की। विवेचना के दौरान पुलिस ने सूरज कुमार उम्र 22 वर्ष, आयुष उर्फ लकी देवांगन उम्र 20 वर्ष और आमीन सहीस उम्र 25 वर्ष को गिरफ्तार किया। सभी आरोपी ईटाभठ्ठा अमलाई के निवासी हैं। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया है, जहां उनसे संबंधित कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी जयप्रकाश नारायण शर्मा के नेतृत्व में उपनिरीक्षक करतार सिंह, अजमेर सिंह, प्रधान आरक्षक गणेश पांडेय, जयवेंद्र सिंह, जीवन लाल, आरक्षक तीरथ सिंह और नरेंद्र यादव ने भूमिका निभाई। उनकी तत्परता और समन्वित कार्रवाई के कारण ही आरोपी तेजी से गिरफ्तार किए जा सके और भविष्य में ऐसे घटनाओं की रोकथाम का संदेश भी गया। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि इस प्रकार की किसी भी आपराधिक गतिविधि की सूचना तुरंत थाने को दें। अधिकारियों का कहना है कि सडक़ मार्ग अवरुद्ध करना, वाहनों को क्षतिग्रस्त करना और आगजनी करना न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि लोगों की सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा उत्पन्न करता है।

दिनदहाड़े हुई हत्या के दोनों दोषियों को आजीवन कारावास

न्यायालय ने आर्म्स एक्ट सहित अन्य धाराओं में भी सुनाई अतिरिक्त सजा

शहडोल।

जिले के जयसिंहनगर थाना क्षेत्र में वर्ष 2022 में घटित दिनदहाड़े हत्या के संवेदनशील मामले में अदालत ने कड़ा फैसला सुनाते हुए दोनों आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अपर सत्र न्यायाधीश जयसिंहनगर ने ग्राम बरना के निवासी दादूराम केवट और विजय केवट उर्फ नत्थू को हत्या का दोषी पाते हुए प्रत्येक पर 1000 रुपये जुर्माना भी लगाया। इसके साथ ही आर्म्स एक्ट की धारा 25 में तीन वर्ष और धारा 27 में एक वर्ष का अतिरिक्त कारावास भी प्रदान किया गया है। इस बहुचर्चित प्रकरण में अपर लोक अभियोजक सत्यनारायण मिश्रा ने प्रभावी पैरवी करते हुए न्यायालय में सभी महत्वपूर्ण साक्ष्य ठोस रूप में प्रस्तुत किए, जिसके आधार पर दोनों आरोपियों को दोषी ठहराया गया।

यह था मामला

घटना 26 सितंबर 2022 की सुबह की है। मृतक नंचू केवट रोज की तरह अपनी भैंसें चराने गया था, लेकिन जब वह निर्धारित समय पर घर नहीं लौटा तो, उसकी पत्नी अहिल्या बाई उसे खोजने निकल पड़ी। रामलाल केवट के घर के समीप उसने देखा कि आरोपी दादूराम और विजय नंचू से मारपीट कर रहे हैं। गंभीर रूप से घायल नंचू जान बचाकर भागने लगा, तभी आरोपी विजय उर्फ नत्थू ने बंदूक से गोली चला दी। गोली लगते ही नंचू सडक़ पर गिर पड़ा, इसके बाद दादूराम ने कुल्हाड़ी से उस पर वार किया। घटना के प्रत्यक्षदर्शी बालकदास और मृतक की पत्नी ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। मौके से हथियारों की बरामदगी के बाद पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट प्रस्तुत की। सभी साक्ष्यों और गवाहियों पर विचार करने के बाद न्यायालय ने दोनों को दोषी करार देते हुए कठोर दंड सुनाया। इस फैसले को न्याय व्यवस्था की सख्ती और कानून की निष्पक्षता का महत्वपूर्ण संदेश माना जा रहा है।

खबर संक्षेप

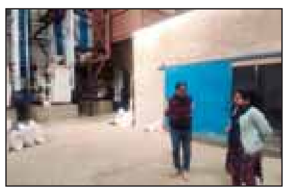

कोदो प्रोसेसिंग इकाई का जिपं सीईओ ने लिया जायजा

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिले में कोदो मिलेट की प्रचुर मात्रा में उत्पादन तथा कोदो उत्पादक किसानों को उपज का बेहतर मूल्य प्रदान करने एवं मूल्य संवर्धन को दृष्टिगत रखते हुए जिला प्रशासन अनूपपुर द्वारा कोदो मिलेट के प्रसंस्करण हेतु जिले में अत्याधुनिक प्रोसेसिंग यूनिट की स्थापना हेतु कलेक्टर हर्षल पंचोली के दिशा निर्देशानुसार कार्य किया जा रहा है। इसी तारतम्य में जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अर्चना कुमारी ने ग्राम बटुरा में संचालित कोदो प्रोसेसिंग इकाई का भ्रमण कर इकाई स्थापना एवं संचालन के संबंध में आवश्यक जानकारियां प्राप्त की। भ्रमण के दौरान आजीविका मिशन के जिला परियोजना प्रबंधक शशांक प्रताप सिंह, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के कार्यपालन यंत्री अमर साय, आकांक्षी ब्लॉक पुष्पराजगढ के फेलो राजस्विनी शर्मा उपस्थित थे।

जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन 20 दिसम्बर को

अनूपपुर। जिले में शासकीय उच्तर माध्यमिक विद्यालयों एवं शासकीय हाईस्कूल विद्यालयों में विद्यालय स्तर पर फुटबाल एवं बैडमिंटन खेल प्रतियोगिता 20 नवम्बर से प्रारंभ हो गया है, जो 28 नवम्बर तक आयोजित किया जाएगा। उक्ताशय की जानकारी देते हुए जिला शिक्षा अधिकारी तुलाराम आर्मो ने बताया है कि विद्यालय स्तर पर चयनित प्रतिभागियों का विकासखण्ड मुख्यालयों पर खण्ड स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन होगा। विकासखण्ड अनूपपुर में 01 से 03 दिसम्बर तक, कोतमा में 6 एवं 7 दिसम्बर को, जैतहरी में 10 से 12 दिसम्बर तक तथा पुष्पराजगढ़ में 15 से 17 दिसम्बर तक फुटबाल एवं बैंडमिंटन खण्ड स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन होगा। विकासखण्ड स्तर पर चयनित प्रतिभागियों का जिला स्तरीय फुटबाल एवं बैडमिंटन खेल प्रतियोगिता का आयोजन शासकीय एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय अनूपपुर के फुटबाल मैदान एवं बैडमिंटन हॉल में 20 दिसम्बर 2025 को किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में कक्षा 9 वीं एवं 11 वीं के ऐसे खिलाड़ी छात्र-छात्राएं भाग ले सकेंगे, जिनकी आयु 19 वर्ष से कम हो तथा जिनकी जन्मतिथि 31 दिसम्बर 2025 की स्थिति में कम से कम 01.01.2009 एवं अधिकतम 01.01.2007 हो। प्रतियोगिता में सभी शासकीय विद्यालयों के खिलाड़ी छात्र-छात्राएं ही भाग ले सकेंगे।

जनजातीय भाषा व संस्कृति को समुदाय से जोड़ने में उपयोगी आदि वाणी एप

अनूपपुर। समावेशी जनजातीय सशक्तिकरण और भाषाई संरक्षण की दिशा में ऐतिहासिक पहल के रूप में भारत सरकार जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा आदि वाणी का बीटा संस्करण लॉन्च किया गया है यह एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित अनुवाद एप और वेब पोर्टल है जो जनजातीय भाषाओ जैसे- भीली, गोडी, संथाली, मुंडारी को हिंदी और अंग्रेजी जैसे मुख्य भाषाओ में अनुवादित करने के लिए है। जिससे जनजातीय संस्कृति और भाषाओं का संरक्षण हो सके शिक्षा, स्वास्थ्य और सरकारी सेवाओं तक पहुंच में सुधार हो और डिजिटल सशक्तिकरण हो आदि वाणी एप और वेब पोर्टल जनजातीय समुदायों की लुप्त प्राय भाषाओं को डिजिटल रूप से संरक्षित करने और मुख्य धारा से जोड़ता है।

पार्षद कंचन गजेंद्र सिंह ने सीएमओ से शिकायत कर की कार्यवाई की मांग

सहायक राजस्व निरीक्षक की नौकरी में 'अवैध' नियुक्ति का जिन्न

मामला नगर पालिका परिषद अनूपपुर का

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

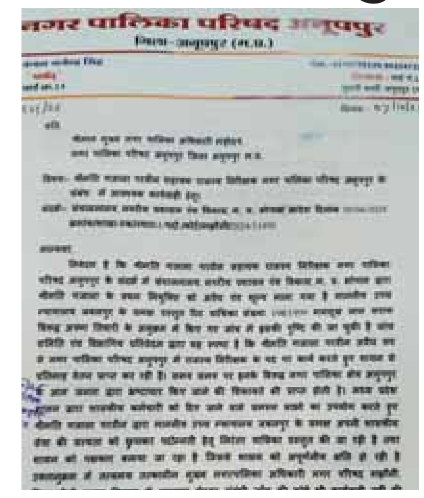
नगर पालिका परिषद अनूपपुर
जिला-अनूपपुर (म.प्र.)

नगर पालिका परिषद में सहायक राजस्व निरीक्षक के पद पर नियुक्त गजाला परवीन अपनी नियुक्ति के साथ से विवादों में रही है या यूं कहें कि गजाला परवीन और विवाद साथ - साथ चलते है। चाहे सेना के एक जवान से मंजूरी के नाम पर पैसे लेकर मंजूरी दिलवाने के मामले में ऑडियो वायरल होने का मामला हो या एक अनुसूचित जाति के बुजुर्ग से मंजूरी के नाम से हजारों रुपये लेकर पैसा हजम करने का मामला हो या अनाधिकृत व्यक्ति को नगर पालिका के कार्यो में संलिप्त करने का मामला हो गजाला परवीन हमेशा विवादों में रही है लेकिन अब गजाला परवीन की नियुक्ति ही विवादों में आ गई है, वार्ड नंबर 14 की पार्षद कंचन गजेंद्र सिंह ने उनकी नियुक्ति से संबंधित शिकायत मुख्य नगर पालिका अधिकारी अनूपपुर से कर कार्यवाई की मांग की है। शिकायत में संचनालय नगरीय प्रशासन एवं विकास मध्यप्रदेश भोपाल के पत्र का हवाला दिया गया है जिसमे वर्ष 2015- 2016 में की गई जांच में नियुक्ति अवैध होने का लेख किया गया है।

यह है शिकायत

श्रीमति गजाला परवीन सहायक राजस्व निरीक्षक नगर पालिका परिषद अनूपपुर के संदर्भ में संचालनालय, नगरीय प्रशासन एंव विकास मप्र. भोपाल द्वारा श्रीमति गजाला के प्रथम नियुक्ति को अवैध एंव शून्य माना गया है। माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर के समक्ष प्रस्तुत रिट याचिका संख्या 198/1999 मनसुख लाल सराफ विरूद्ध अरूण तिवारी के अनुक्रम में किए गए जांच में इसकी पुष्टि की जा चुकी है जांच समिति एंव विभागिय प्रतिवेदन द्वारा यह स्पष्ट है कि श्रीमति गजाला परवीन अवैध रूप से नगर पालिका परिषद अनुपपुर में सहायक राजस्व निरिक्षक के पद पर कार्य करते हुए शासन से प्रतिमाह वेतन प्राप्त कर रही है। समय समय पर इनके विरूद्ध नगर पालिका क्षेत्र अनुपपुर के आम जनता द्वारा भ्रष्टाचार किए जाने की शिकायते भी लगातार प्राप्त हो रही है।

अवैध नियुक्ति के विरुद्ध कार्यवाई अब तक लंबित

शासकीय कर्मचारी को दिए जाने वाले समस्त लाभो का उपयोग करते हुए म.प्र. श्रीमति गजाला परवीन द्वारा माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर के समक्ष अपनी शासकीय सेवा की सत्यता को छुपाकर पदोन्नती हेतू निरंतर याचिका प्रस्तुत की जा रही है तथा शासन को पक्षकार बनाया जा रहा है जिससे शासन को अपूर्णनीय क्षति हो रही है। तत्समय तत्कालीन मुख्य नगरपालिका अधिकारी नगर परिषद मझौली, जिला-सीधी द्वारा निकाय में आरक्षण रोस्टर संबंधी जाँच की कोई भी कार्यवाही नहीं की गई है और न ही संभागीय कार्यालय को कोई प्रतिवेदन भेजा गया। आज दिनांक तक श्रीमती गजाला परवीन, सहायक राजस्व निरीक्षक, धारणाधिकार नगर परिषद मझौली, जिला- सीधी की अवैध नियुक्ति के विरुद्ध की कार्यवाही नगर परिषद मझौली जिला सीधी स्तर पर लंबित है। प्रकरण में आज तक कार्यवाही नहीं किए जाने के कारण संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध कार्यवाही की जाए।

2015-16 की जांच में नियुक्ति को माना गया अवैध शिकायत में कहा गया कि 2015-16 में की गई जांच में स्पष्ट किया गया है कि श्रीमति गजाला की नियुक्ति पूर्णतः अवैध है। अतः उक्त संदर्भित पत्र के अनुक्रम में तत्काल कार्यवाही करते हुए तथा श्रीमति गजाला परवीन के विरूद्ध प्राप्त शिकायतो का निराकरण करते हुए शून्य एंव अवैध नियुक्ति को समाप्त किए जाने की कार्यवाही की जाए। जिससे म.प्र. शासन को प्रतिवर्ष हो रहे लाखो के नुकसान की बचत की जा सके। संचालनालय, नगरीय प्रशासन एंव विकास, म. प्र. भोपाल ने लिखा वस्तुस्थिति से स्पष्ट है कि तत्कालीन समय वर्ष 2012-13 में नगर परिषद मझौली जिला-सीधी में सहायक राजस्व निरीक्षक के 02 पद स्वीकृत थे, जिसमें से एक (01) पद-अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए एवं एक (01) पद अनारक्षित वर्ग के लिए था, परन्तु बैकलॉग के विशेष भर्ती अभियान में अन्य पिछडा वर्ग की भर्ती की गई, जिसे वर्ष 2015-16 में की गई जाँच में तत्कालीन सभागीय सयुक्त संचालक, नगरीय प्रशासन एवं विकास, रीवा एवं तत्कालीन मुख्य नगरपालिका अधिकारी, नगर परिषद मझौली जिला सीधी ने अवैध नियुक्ति प्रमाणित पाया। चूंकि नियुक्ति प्रारंभ से ही अवैध है, अतः ऐसी परिस्थिति में पदोन्नति का लाभ दिया जाना विधि सम्यक नहीं है। श्रीमती गजाला परवीन की नियुक्ति प्रारम्भ से ही अवैध है। अतः श्रीमती गजाला परवीन द्वारा प्रस्तुत अभ्यावेदन पूर्ण विचारोपरांत अमान्य किया जाता है।

इनका कहना है

शहर के आम नागरिकों के द्वारा राजस्व निरीक्षक की लगातार शिकायते मिल रही है,और इनकीं नियुक्ति से संबंधित शिकायत भी मिली है जिसमे इनकीं नियुक्ति अवैध है, जिसकी शिकायत मेरे द्वारा मुख्य नगर पालिका व कलेक्टर से शिकायत की गई है। प्रषासन जांच कर अवैध नियुक्ति के विरुद्ध कार्यवाई करे।

कंचन गजेंद्र सिंह, पार्षद वार्ड 14, नगर पालिका अनूपपुर

शिकायत मिली है। पूरे मामले की जांच करवाई जाएगी, जांच उपरांत विधि सम्मत कार्यवाई की जाएगी।

प्रदीप झरिया, मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पालिका परिषद अनूपपुर

अपर कलेक्टर ने एसआईआर कार्य का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी दिलीप कुमार पाण्डेय ने आज अनूपपुर विधानसभा क्षेत्र के मतदान केन्द्र ताराडांड़ एवं चांदपुर में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बीएलओ द्वारा मतदाताओं को वितरित किए गए गणना पत्रक एवं मतदाताओं द्वारा जानकारी भर कर वापस किए गए गणना पत्रक की जानकारी ली। उन्होंने बीएलओ को निर्देशित किया कि मतदाताओं द्वारा भरे गए गणना पत्रकों को शीघ्रता से डिजिटाइजेशन करते जाएं। इस कार्य में किसी भी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर ने गणना पत्रक के डिजिटाइजेशन कार्य का भी निरीक्षण किया।

मध्यप्रदेश बना देश का पहला राज्य

आज अमरकंटक में हेली पर्यटन सेवा का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

मध्यप्रदेश राज्य ने प्रधानमंत्री श्री हेली पर्यटन सेवा के तहत पर्यटकों को हेलीकॉप्टर के माध्यम से यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने वाला देश का पहला राज्य बनकर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इसी क्रम में, धार्मिक और प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर अमरकंटक में इस महत्वाकांक्षी सेवा का शुभारंभ कल से किया जा रहा है। नई हेली सेवा के तहत हेलीकॉप्टर जबलपुर से उडान भरकर सीधे अमरकंटक पहुंचेगा। अधिकारियों का मानना है कि यह सेवा पर्यटकों के लिए एक बडा आकर्षण सिद्ध होगी, क्योंकि वे आसमान से अमरकंटक की वादियों, घने जंगलों और प्राकृतिक सौंदर्य का एक अद्भुत और विहंगम दृश्य देख सकेंगे। जबलपुर से अमरकंटक की दूरी अब मात्र एक घंटे में तय की जा सकेगी। इस सेवा का प्रति यात्री किराया 5000 रूपये निर्धारित किया गया है।

बालको में आधुनिक हेलीपैड का निर्माण

अमरकंटक से लगभग 5 किलोमीटर दूर बालकों में एक आधुनिक हेलीपैड का निर्माण किया गया है। हेलीपैड पर उतरने के बाद, पर्यटकों को टैक्सी और कार सुविधा तुरंत उपलब्ध होगी। इस सुविधा के माध्यम से पर्यटक नर्मदा उद्गम, कपिलधारा, दूधधारा, सोनमूडा सहित अमरकंटक के सभी प्रमुख धार्मिक व पर्यटन स्थलों का आसानी से भ्रमण कर सकेंगे। पर्यटकों की सुविधा के लिए एक विशेष एरियल टूर पैकेज भी शुरू किया जा रहा है। इच्छुक पर्यटक अमरकंटक के प्रमुख स्थलों का 20 मिनट का हेली राइड लेते हुए आसमान से पूरा क्षेत्र देख सकेंगे। इस पैकेज का शुल्क प्रति व्यक्ति 5000 रूपये रखा गया है।

आज होगा शुभारंभ

पीएम श्री पर्यटन हेलीकॉप्टर सेवा का शुभारंभ अनूपपुर जिले के बाल्को हैलीपैड, जगतपुर अमरकंटक से 21 नवम्बर को निर्धारित समय-सारणी अनुसार होगा। हेलीकॉप्टर का संचालन निजी ऑपरेटर द्वारा किया जाएगा। शुभारंभ कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु कलेक्टर हर्षल पंचोली ने जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अर्चना कुमारी को नोडल अधिकारी तथा जिला पुरातत्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषद अनूपपुर के प्रभारी अधिकारी उमेश कुमार पाण्डेय को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। साथ ही उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर आवश्यक व्यवस्थाओं हेतु विभागीय अधिकारियों एवं सेवा प्रदाताओं को विभिन्न कार्य सौंपे है।

सिलेण्डर की किल्लत से जूझ रहे गैस उपभोक्ता

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

कोतमा नगर में एक भी गैस एजेंसी ना होने के कारण उपभोक्ताओं को गैस की किल्लत का सामना करना पड रहा है। गैस ना मिलने से उपभोक्ताओं में जमकर नाराजगी भी देखी जा रही है। जानकारी अनुसार दीपावली के बाद से गैस सिलेंडरों की कम आपूर्ति ने नगर वासियों की मुश्किलें बढा दी है। कोतमा नगर के सैकडों उपभोक्ताओं को बिजुरी, कोठी, पसान, चोलना सहित आसपास की एजेंसियों के भरोसे रहना पडता है। जिससे गाडी आने व सप्लाई में भी समस्या आ रही है। आलम यह है कि गैस एजेंसी में उपभोक्ताओं की लंबी-लंबी कातारे नजर आ रही हैं। एक ओर पूरे नगर में गैस का संकट है वहीं दूसरी ओर कालाबाजारियों के द्वारा फायदा उठाते हुए 1 हजार से लेकर 1300 रुपए तक में गैस बेचा जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि गैस की तकलीफ पिछले कुछ दिनों से लगातार बनी हुई है। फोन लगाने के बाद भी गाडियां घर तक नहीं पहुंच पा रही हैं। नगर के रहीसा बेगम, साबिर अली सहित अन्य लोगों ने बताया कि गैस एजेंसी में फोन करने पर कई बार में फोन उठाने पर गाडी नहीं आ रही है कहकर पल्ला झाड रहे हैं। पिछले 15 से 20 दिनों से क्षेत्र में एचपी गैस की सप्लाई पूरी नहीं हो पा रही जिससे न केवल आम उपभोक्ताओं को परेशानी हो रही बल्कि शादी ब्याह के सीजन में उपयोग होने वाले गैस भी मनमाने दाम पर लेना पड रहा है। गैस गोदाम में सुबह से लंबी-लंबी कातारे देखने को मिल रही हैं। इसके बाद भी लोग खाली सिलेंडर लेकर वापस लौटने को मजबूर हो रहे हैं। कोतमा नगर की 35 हजार की आबादी वाले क्षेत्र में एक भी गैस एजेंसी के न होने के कारण नागरिकों को गैस के लिए संकट का सामना करना पड रहा है। सैकडों की संख्या में उपभोक्ता होने से लोगों ने नगर में भी नई एजेंसी खुलनी चाहिए। अधिकारियों के निषक्रियता से भी उपभोक्ताओं में नाराजगी देखी जा रही है। लोगों का कहना है कि यदि गैस की आपूर्ति जल्द नहीं की गई तो कालाबाजारी में और तेजी आने की संभावना बताई जा रही है।

अधिक कीमत में शराब बिक्री के विरोध पर ग्राहक के सिर दे मारा बोतल

दो घायल, पुलिस ने दो पक्षों के खिलाफ केस दर्ज किया

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिले के चचाई थाना अंतर्गत बरगवा शराब दुकान पर प्रिंट रेट से अधिक दाम पर शराब बेचने का विरोध करने पर एक ग्राहक के साथ मारपीट की गई। इस घटना में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मिली जानकारी के अनुसार, गौतम कोल बरगवा स्थित शराब दुकान पर शराब खरीदने गए थे। उन्हें 120 रुपए की बीयर 150 रुपए में दी गई। जब गौतम कोल ने इस पर आपत्ति जताई, तो सेल्समैन अनमोल राय ने कहा कि वह इसी दर पर शराब बेचता है और उसे जिससे शिकायत करनी है, वह कर सकता है।

सेल्समैन ने सिर पर मारी बोतल

इसके बाद सेल्समैन और गौतम कोल के बीच विवाद बढ गया। ठेकेदार के गुर्गों ने गौतम कोल के सिर पर शराब की बोतल मार दी और राकेश बुनकर के साथ भी मारपीट की, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। घटना की सूचना मिलने पर चचाई थाना प्रभारी सुंदरेश मरावी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने दोनों पक्षों को समझाकर मामला शांत कराया। थाना प्रभारी सुंदरेश मरावी ने बताया कि दोनों पक्षों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच की जा रही है। लोगों ने बताया कि जिले में एक ही ठेकेदार ने सभी शराब दुकानों का ठेका लिया हुआ है। जिला मुख्यालय सहित पूरे जिले में प्रिंट रेट से अधिक दाम पर शराब बेची जा रही है। जब ग्राहक इसका विरोध करते हैं, तो शराब ठेकेदार के गुर्गे मारपीट करते हैं, जिससे आए दिन विवाद की स्थिति बनती है। आबकारी विभाग अधिक रेट पर शराब बेचने के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है।

अमरकंटक में नर्मदा तट परिवर्तन के नाम पर खुली लूट

निजी वाहन और अवैध एजेंटों की सांठ-गांठ से परिक्रमावासी परेशान

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

पवित्र नगरी अमरकंटक में इन दिनों नर्मदा परिक्रमावासियों की आस्था और परंपरा पर खुलेआम डाका डाला जा रहा है। नर्मदा उत्तर तट से दक्षिण तट परिवर्तन के नाम पर निजी वाहन संचालक और स्थानीय गैर-पंजीकृत एजेंट मिलकर श्रद्धालुओं की जेब काट रहे हैं। इस क्षेत्र में चल रही यह खुली लूट अमरकंटक जैसे पवित्र स्थल की छवि पर गंभीर चोट पहुँचा रही है।

मनमानी वसूली और शोषण

शिकायत पुणे, गुजरात सहित विभिन्न राज्यों से आए परिक्रमावासियों ने शिकायत की है कि तट परिवर्तन (जो लगभग पाँच किलोमीटर से भी कम दूरी का है) के लिए उनसे प्रति व्यक्ति 1000 रूपये तक वसूले जा रहे हैं। मनमानी वसूली के बावजूद, एक वाहन में दस से बारह लोगों को ठूंसकर बैठाया जाता है। श्रद्धालुओं के अनुसार, न तो सुरक्षा की कोई व्यवस्था है और न ही वाहनों के पास कोई वैध अनुमति या परमिट है। मजबूरी का फायदा उठाकर यह ठगी का खेल बेखौफ चल रहा है। परिक्रमावासियों का कहना है कि यह सेवा नहीं, बल्कि खुला शोषण है जो हर वर्ष बढ़ता जा रहा है।

अवैध नेटवर्क का संचालन

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, इस पूरे अवैध नेटवर्क का संचालन बिना परमिट चल रहे वाहनों और तीन-चार गैर-पंजीकृत एजेंटों के सहारे किया जा रहा है। इनका दबदबा इतना बढ चुका है कि परिक्रमावासियों से पैसा ऐंठने में इन्हें किसी भी विभाग का कोई डर नहीं है। इस गंभीर स्थिति को लेकर स्थानीय प्रशासन, जिला प्रशासन, आरटीओ और पुलिस विभाग की चुप्पी पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं।